करने वाला वक्तव्य दिया है और केन्द्र के अधिकारों पर जो अतिक्रमण हो रहा है उस का समर्थन किया है जबकि इन का कर्तव्य है कि केन्द्र के अधिकारों की रक्षा करें। आप जो भी प्रक्रिया बतायेंगे मैं मानने के लिए तैयार हूं। मैं आप के सामने सारे तथ्य रखने के लिए तैयार हूं।

MR. SPEAKER: I am not sitting here as a judge. I deal with procedures. I am not in a position to give my firm opinion as to the constitutional or legal side of it.

श्री मधु लिमये : मैं प्रोसीजर की ही बात कह रहा हूं जब ये सदन को गुमराह कर रहे हैं जान बूझ कर और अपने कर्तव्य को निभाने में असफल रहे हैं, तो आप ही बतायें कि कौन सी प्रक्रिया है।

MR. SPEAKER: How can I give my firm opinion on a legal question?

श्री मधु लिमये : मैं आप के सामने सारे सबूत रखने के लिए तैयार हूं। आप मुझे सदन के सामने इन को रखने की इजाजत दीजिए।

MR. SPEAKER: I am not prepared to go into the legal or constitutional side of it.

श्री मधु लिमये : अध्यक्ष महोदय, फैक्टस के ऊपर भी ये गलत बोल रहे हैं।

MR. SPEAKER: He thinks he is right. You think you are right. How can II decide?

श्री मधु लिमये : अध्यक्ष महोदय, मैं आप को फैक्ट्स देने को तैयार हूं। या तो डाइरेक्शन 115 में यह मसला उठे या 184 में उठे। जो भी आप बतायें मैं मानने को तैयार हूं।

एक माननीय सदस्य : 115 में भी हो सकता है।

श्री मधु लिमये : जो आप बतायेंगे, मैं मानने के लिए तैयार हूं।

MR. SPEAKER: As far as the legal position is concerned, I am not going into that.

श्री मधु लिमये : लीगेलिटी की भी बात बताऊंगा और तथ्यों के आधार पर भी बाताऊंगा।

MR. SPEAKER: I am not sitting here as a judge.

---

12.42 hrs.

## MATTER-UNDER RULE 377

TIME CAPSULE BURIED BY ALL-INDIA CONFEDERATION OF CENTRAL GOVERNMENT OFFICERS ASSOCIATION ON 1-5-1974.

MR. SPEAKER: Now, we take up matter under Rule 377. There are three Membefs who have given notice on the same subject, Shri Bibhuti Mishra, Shri B. V. Naik and Shri Madhu Dandavate. Out of the three, I allow the Member who was the first to send in the notice.

SHRI B.V. NAIK (Kanara): The other day all the seven were permitted.

MR. SPEAKER: Shri Bibhuti Mishra.

श्री विभूति मिश्र (मोतीहारी) : 377 के अन्दर मैं आपकी मार्फत गृह मंत्री जी का ध्यान इस ओर खींचना चाहता हूं कि एक टाइम कैप्सूल तो सरकार ने लाल किले के सामने जमीन में गड़ाया था। पता नहीं उस में कौन कौन सी बातें है। उन बातों के बारे में थोड़ा सा अखबार में भी आया था। यह कहा गया था कि देश का इतिहास उस में लिखा गया है। मैं समझता हूं कि हम लोगों को भी पूछना चाहिए था कि हम टाइम कैप्सूल गाड़ने जा रहे हैं, उस में क्या क्या बातें लिखी जाएं। हम लोगों

श्री विभूति मिश्र

ने आजादी की लडाई लड़ी थी और हम लोगों को भी देश देश के इतिहास के बारे में काफी जानकारी है। विभिन्न घटने वाली घटनाओं का इतिहास सरकारी नौकरों से लिखाया गया वह बात तो खत्म हुई। अब सरकारी स्टाफ के आदमियों ने एक कैप्सूल जमीन के नीचे गाड़ा है। यहउस कनफैड्रेशन ने किया है जिस में क्लास 1 के आदमी है। विरोधी पार्टी के लोग और इधर के लोग भी कहते हैं कि ब्यूरोक्रेसी हिन्दुस्तान की ऐसी है कि जो प्राग्रेसिव काम हैं उनको आगे चलने नहीं देती है, हिन्दुस्तान की तरक्की ब्यूरोक्रेसी की बजह से नहीं हो रही है बयूरीक्रेसी में भी इससे पता चलता है कि असन्तोष है। वह कहती है कि सरकार का फोल्योर हो गया, सरकार ने वादे किए, उनको पूरा नहीं किया। इसको सेंम नहीं है। बहुत सी बातें इस केप्पूल में कही गई है। यहां तक की कांग्रेस पार्टी के इलैक्शन मैनिफैस्टों का भी उस में जिक्र किया गया है। साथ ही डा० राजेन्द्र प्रसाद, जबाहर लाल नेहरू जी का नाम लिया गया है, गिरी साहब का नाम लिया गया है और यहां तक कि इंदिरा जी का भी नाम उस में है। इंदिरा जी प्राइम मिनिस्टर हैं और ये इनके इम्पलायीज है। कहां गड़बड़ी हो रही है इसको आप देखें। इंदिरा जी का नाम भी लेते हैं और गवंमेंट की फैल्योर भी बताते हैं। यह जो कंट्रोडिक्शन है यह समझ में नहीं आती है। इन्होने एक प्रस्ताव भी पास किया है जिस में उन्होंने धमकी दी है कि दूसरे कर्मचारियों के साथ अपनी शिकायतें को पूरा करवाने के लिए वे भी शामिल होंगे। उन्होंने प्रस्ताव में कहा है :

"In a resolution adopted on the occasion, the Confederation warned that the Government employees will join other sections of the people concertedly to redress their grievances. It criticised the Finance Minister for one-sided presentation of the case concerning personnel and emoluments policies."

सरकार की आलोजना भी है और यह भी सुना है कि व हड़ताल में भी शामिल होंगे। समझ में नहीं आता है कि सरकार कहा खड़ी है। जो सरकार बनती है वह अपना सारा काम क्लास 1 के एम्प्लायीज की मार्फत ही करवाती है। अब क्लास 1 के एम्प्लायीज असन्तुष्ट है। इंदिरा गांधी की जो पालिसीज़ है उनको कैरी आउट नहीं करते। नहीं करते हैं तो कौन करेंगा ? कैरी आउट करने वाले तो यही लोग हैं। ये ही कहते हैं कि हम सारे देश में एजीटेशन चलाएंगे और हिन्दुस्तान में पचास स्थानों पर पंद्रह फीट नीचे जमीन में कैपसूल गांडेगे। आप हिन्दुस्तान टाइम्ज को देखिए। इस में सभी कुछ आया है। समझ में नहीं आता है कि सरकार कहां है ?

अध्यक्ष महोदय, महाभारत में लिखा है कि जिस राजा के राज्य में उसके एम्प्लायीज असन्तुष्ट रहते हैं उस राजा का राज्य नष्ट हो जाता है। यहां पर पोलिटिकल पार्टीज भी असन्तुष्ट हैं। हमारे लोगों में भी असन्तोष है। राज है कहां ? ये लोग तीन मई को जायन करने जा रहे हैं। इसलिए में चाहता हूं कि सरकार इस सम्बन्ध में बयान दे। गृह मंत्री कहां बैठे हुए हैं, कौन सी गद्दी पर बैठे हुए हैं। उनके एम्प्लायीज़ उन्हीं को खड़े कर रहे हैं। इंदिरा गांधी ही का नाम भी लेते हैं और उन्हीं की गवंन्मेंट को कंडेम भी कहते हैं। उसके फेन्योर्फ़ को बताते हैं। इम्प्लेमेंटेशन का जो काम है वह इन लोगों के ही हाथ में है। मैं चाहता हूं कि सरकार से आप कहीं बयान दिलवाएं ताकि सैशन के उठने के पहले हम लोगों को पता चल सके कि सरकार कहा बैठी है।

SHRI KRISHNA CHANDRA HALDER (Ausgram): Sir, I want to make a submission for one minute regarding the attack on fundamental right of the citizens. Sir, it is the right of every citizen to vote in an election according to his choice and have victory processions if he likes. I have received a telegram which reads:

"Congress candidate defeated in Vuyyuru constituency stop on ins-

tructions from vindictive Chief Minister of Andhra the police came on the scene and severely lathi-charged the peaceful procession after counting at Gunnavaram stop they chased into houses and beaten innocent people including children and women stop arrested a large number of opposition and CPM activists stop they were beaten in police custody."

MR. SPEAKER: I am sorry, by generosity is being exploited. If I allow one, I will have to allow others also.

SHRI KRISHNA CHANDRA HALDER: Sir, I want Government to make an inquiry into the matter and make a Statement in the House. So through you, Sir. I want to say that the Minister should make a statement in the House.

MR. SPEAKER: Not on the spur of the moment; I did not know what you were going to say.

## RE. REPORTED NOTICE ISSUED TO THE SPEAKER, LOK SABHA BY SUPREME COURT IN THE MATTER OF SPECIAL REFERENCE RELATING TO PRESIDENTIAL ELECTION.

**श्री अटल बिहारी वाजपेयी** (ग्वालियर): मैंने आपको पत्र लिखा है राष्ट्रपति के चुनाव के बारे में। आज के समाचारपत्रों में खबर आई है कि सुप्रीम कोर्ट ने आपके नाम भी एक नोटिस जारी किया है

**अध्यक्ष महोदय** : अखबार में मैंने देखा है, लेकिन आया तो नहीं है।

**श्री अटल बिहारी वाजपेयी** : आपको सदन को विश्वास में लेना चाहिए इसके बारे में।

**अध्यक्ष महोदय** : आया नहीं है। किस दिन आएगा

SHRI SEZHIYAN (Kumbakonam): It has come out in the press. The court wanted to issue a notice to you. But the Attorney-General said that they should issue to him first.

MR. SPEAKER: I also read this. What I read in the papers was that when they said that a notice will go first to the Speaker of Lok Sabha, the Attorney-General said that it should be issued to him first so that he may be in a position to lay the facts. Whether the Attorney-General made the observation or not, I do not know but Chief Justice said:—'I am sorry I do not know the protocol.'

**श्री अटल बिहारी वाजपेयी** : हम नहीं चाहते है कि आप इस झगड़े में पड़े।

**श्री श्याम नन्दन मिश्र** (बेगुसराय) : आपको बीच में नहीं आना चाहिए।

**श्री अटल बिहारी वाजपेयी** : आप कैसे आते हैं? यहां तक कि राज्य विधान सभाओं के स्पीकरों के नाम भी नोटिस जारी कर दिया है।

**अध्यक्ष महोदय** : जब आएगा तब पता नहीं उस में क्या लिखा होगा।

**श्री अटल बिहारी वाजपेयी** : आ जाए तो हम लोगों से चर्चा कर लीजिए।

**अध्यक्ष महोदय** : जनरल परपजिज कमेटी में सभी पार्टियों तथा ग्रुप्स के नेता हैं। उनके साथ वहां बात कर लेंगे।

श्री श्यामनन्दन मिश्र। जो अखबार में निकला है हम लोग उससे सहमत नहीं है। चेयर कहीं पर भी नहीं आती है।

**श्री विभूति मिश्र** : राष्ट्रपति के चुनाव में आप कैसे आते हैं।

**अध्यक्ष महोदय** : यह तो उनको ही पता होगा, हमें क्या पता है?